अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - गिरिराज किशोर तथा विश्वास पाटील के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का तुलनात्मक अध्ययन पृष्ठ 1 - 26

गिरिराज किशोर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1.1 व्यक्ति परिचय

1.1.1 जन्म-तिथि तथा जन्म-स्थान

1.1.2 माता-पिता

1.1.3 परिवार

1.1.4 बचपन

1.1.5 शिक्षा

1.1.6 नौकरी

1.1.7 विवाह

1.1.8 दांपत्य जीवन

1.1.9 साहित्य लेखन में रूचि

1.2 व्यक्तित्व की विशेषताएँ

1.2.1 बाह्य और आंतरिक व्यक्तित्व

1.2.2 मेधावी व्यक्तित्व

1.2.3 विभिन्न रचनाकारों से प्रभावित

1.2.4 गांधीवादी विचाराधारा से प्रभावित

1.2.5 मददगार

1.2.6 मिलनसार

1.2.7 आस्थावान

1.3 कृतित्व अर्थात गिरिराज किशोर की साहित्य-यात्रा

1.3.1 उपन्यास साहित्य

1.3.2 कहानी - संग्रह

1.3.3 नाटक साहित्य

1.3.4 एकांकी साहित्य

1.3.5 बाल-साहित्य

1.3.6 आलोचना-साहित्य

1.3.7 अनूदित रचनाएँ

1.4 पुरस्कार एवं सम्मान

विश्वास पाटील : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1.5 व्यक्ति परिचय

1.5.1 जन्म-तिथि तथा जन्म-स्थान

1.5.2 माता-पिता

1.5.3 परिवार

1.5.4 बचपन

1.5.5 शिक्षा

1.5.6 नौकरी

1.5.7 विवाह

1.5.8 दांपत्य जीवन

1.6 व्यक्तित्व को विशेषताएँ

1.6.1 बाह्य और आंतरिक व्यक्तित्व

1.6.2 मेधावी व्यक्तित्व

1.6.3 विभिन्न रचनाकारों से प्रभावित

1.7 कृतित्व अर्थात विश्वास पाटील की साहित्य-यात्रा

1.7.1 उपन्यास साहित्य

1.7.2 कहानी साहित्य

1.7.3 नाटक साहित्य

1.7.4 अनूदित साहित्य

1.8 पुरस्कार एवं सम्मान

1.8.1 'पानिपत' (सन 1988) उपन्यास को प्राप्त पुरस्कार

1.8.2 'झाडाझडती' (सन 1992) उपन्यास को प्राप्त पुरस्कार

1.8.3 'महानायक' (सन 1998) उपन्यास को प्राप्त पुरस्कार

1.8.4 'संभाजी' (सन 2005) उपन्यास को प्राप्त पुरस्कार

1.8.5 विदेशी यात्राएँ

1.9 विश्वास पाटील के उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय

1.9.1 आंबी (रोट्ये प्रकाशन, कोल्हापुर 1980)

1.9.2 क्रांतिसूर्य (सन्मित्र प्रकाशन, कोल्हापुर 1984)

1.9.3 पानिपत (राजहंस प्रकाशन, पुणे 1988)

1.9.4 पांगिरा (ग्रंथालि प्रकाशन, मुंबई 1990)

1.9.5 झाडाझडती (राजहंस प्रकाशन, पुणे 1992)

1.9.6 महानायक (राजहंस प्रकाशन, पुणे 1998)

1.9.7 चंद्रमुखी (राजहंस प्रकाशन, पुणे 2004)

1.9.8 संभाजी (मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे 2005)

1.10 विवेच्य उपन्यासों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व :

साम्य एवं भेद - तुलनात्मक विवेचन

1.10.1 साम्य

1.10.2 वैषम्य

द्वितीय अध्याय - पहला गिरमिटिया तथा महानायक का विषयगत विवेचन पृष्ठ 27 - 42

प्रस्तावना

2.1 गिरिराज किशोर के 'पहला गिरमिटिया' का विषयगत विवेचन

प्रस्तावना

2.2 विश्वास पाटील के 'महानायक' का विषयगत विवेचन

2.3 'पहला गिरमिटिया' तथा 'महानायक'
उपन्यास का तुलनात्मक मूल्यांकन
2.3.1 साम्य
2.3.2 वैषम्य

तृतीय अध्याय - तुलनात्मक अध्ययन और विवेच्य उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप **पृष्ठ 43 - 61**

3.1 तुलनात्मक अध्ययन
3.1.1 'तुलना' शब्द का अर्थ
3.1.2 'तुलना' शब्द की परिभाषा
3.1.3 तुलनात्मक अध्ययन की उपयोगिता
3.1.4 तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य
3.2 तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप
3.3 तुलनात्मक अध्ययन : विभिन्न प्रणालियाँ
3.4 विवेच्य उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन
3.4.1 विवेच्य विषय के तुलनात्मक अध्ययन की उपयोगिता
3.4.2 विवेच्य उपन्यासों के अध्ययन का महत्त्व
3.4.3 विवेच्य उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य
3.4.4 विवेच्य विषय के तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप
3.4.5 विवेच्य विषय के तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि
निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - विवेच्य उपन्यासों का विचार पक्ष : तुलनात्मक अध्ययन **पृष्ठ 62 - 103**

प्रस्तावना
4.1 राष्ट्र विषयक विचार
4.1.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित राष्ट्र विषयक विचार
4.1.2 'महानायक' में चित्रित राष्ट्र विषयक विचार

4.2 श्रम विषयक विचार

4.2.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित श्रम विषयक विचार

4.2.2 'महानायक' में चित्रित श्रम विषयक विचार

4.3 विद्रोह विषयक विचार

4.3.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित विद्रोह विषयक विचार

4.3.2 'महानायक' में चित्रित विद्रोह विषयक विचार

4.4 परिवर्तन विषयक विचार

4.4.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित परिवर्तन विषयक विचार

4.4.2 'महानायक' में चित्रित परिवर्तन विषयक विचार

4.5 जनजागृति विषयक विचार

4.5.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित जनजागृति विषयक विचार

4.5.2 'महानायक' में चित्रित जनजागृति विषयक विचार

4.6 अर्थ विषयक विचार

4.6.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित अर्थ विषयक विचार

4.5.2 'महानायक' में चित्रित अर्थ विषयक विचार

4.7 उपदेश विषयक विचार

4.7.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित उपदेश विषयक विचार

4.7.2 'महानायक' में चित्रित उपदेश विषयक विचार

4.8 इतिहास विषयक विचार

4.8.1 'पहला गिरमिटिया' में चित्रित इतिहास विषयक विचार

4.8.2 'महानायक' में चित्रित इतिहास विषयक विचार

4.9 समन्वित निष्कर्ष

4.9.1 साम्य

4.9.2 वैषम्य

पंचम अध्याय - औपन्यासिक कला की दृष्टि से विवेच्य उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन पृष्ठ 104-137

प्रस्तावना

5.1 कथावस्तु

5.1.1 कथावस्तु : पहला गिरमिटिया

5.1.2 कथावस्तु : महानायक

5.2 पात्र तथा चरित्र चित्रण

5.2.1 पात्र तथा चरित्र चित्रण : पहला गिरमिटिया

5.2.1.1 मोहनदास का चरित्र चित्रण

5.2.1.2 कस्तूर का चरित्र चित्रण

5.2.2 पात्र तथा चरित्र-चित्रण : महानायक

5.2.2.1 सुभाषबाबू का चरित्र चित्रण

5.3 संवाद

5.3.1 संवाद : पहला गिरमिटिया

5.3.1.1 रोचकता

5.3.1.2 संक्षिप्तता

5.3.2 संवाद : महानायक

5.3.2.1 रोचकता

5.3.2.2 संक्षिप्तता

5.4 देश-काल-वातावरण

5.4.1 देश-काल-वातावरण : पहला गिरमिटिया

5.4.2 देश-काल-वातावरण : महानायक

5.5 भाषा-शैली

5.5.1 भाषा : पहला गिरमिटिया

5.5.1.1 संस्कृत शब्दों का प्रयोग

5.5.1.2 अरबी शब्दों का प्रयोग

5.5.1.3 अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग

5.5.1.4 काव्यात्मक भाषा

5.5.1.5 मुहावरों-कहावतों का प्रयोग

5.5.1.6 सूक्तियों का प्रयोग

5.5.2 शैली : पहला गिरमिटिया

5.5.2.1 आत्मकथनात्मक शैली

5.5.2.2 पत्रात्मक शैली

5.5.2.3 प्रश्नात्मक शैली

5.5.2.4 वर्णनात्मक शैली

5.5.2.5 डायरी शैली

5.5.2.6 किस्सागोई शैली

5.5.3 भाषा : महानायक

5.5.3.1 अरबी शब्दों का प्रयोग

5.5.3.2 फारसी शब्दों का प्रयोग

5.5.3.3 संस्कृत शब्दों का प्रयोग

5.5.3.4 अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग

5.5.4 शैली : महानायक

5.5.4.1 पत्रात्मक शैली

5.5.4.2 प्रश्नात्मक शैली

5.5.4.3 वर्णनात्मक शैली

5.5.4.4 आत्मकथात्मक शैली

5.6 उद्देश्य

5.6.1 उद्देश्य : पहला गिरमिटिया

5.6.2 उद्देश्य : महानायक

5.7 निष्कर्ष

5.7.1 साम्य

5.7.2 वैषम्य

उपसंहार 138-145

परिशिष्ट 146-154

संदर्भ ग्रंथ-सूची 155-160

* * * *